Institutional Development Plan (IDP)

सांस्थानिक-विकास-योजना

श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(राष्ट्रियमूल्याङ्कनप्रत्यायनपरिषदा A+ श्रेण्यां प्रत्यायितः)

राजेन्द्रभुवनमार्गः, वेरावलम्

गीर-सोमनाथः, गुजरातम् - 362265

February, 2023

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

No.	Activity/Thrust Area	Expected Output	Proposed Timeline	Implementation Strategies (क्रमशः)
1.	Multiple Entry and Exist system	छात्रों को विषय एवं संस्था चुनने की स्वतंत्रता दी जाएगी।	2024 - 2029	ABC में विश्वविद्यालय का पञ्जीकरण हो चुका है। आगामी वर्ष से इसे लागू करने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। इसके लिए समान पाठ्यक्रम भी बनाया जाएगा और इसे आगामी पांच सालों मे लागू किया जाएगा।
2.	Faculty Development and Improvement	अध्यापकों में संशोधन दृष्टि एवं गुणवत्ता का आधान करना।	2023 - 2028	प्रति विभाग के द्वारा वेबिनार, सेमिनार, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कोन्फ्रेंस, कार्यशाला, फेकल्टी डेवलमेण्ट प्रोग्राम इत्यादि छात्रों एवं अध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। आगामी पांच वर्षों में भी उनका आयोजन किया जाएगा। और प्राध्यापकों को रिफ्रेशर कोर्स, ओरिएण्टेशन कोर्स इत्यादि प्रोग्रामों में भेजा जाता है और आगामी वर्षों में भी भेजा जाएगा। इसके साथ साथ CAS के लिए आवश्यक कोर्सों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है और अध्यापकों का प्रमोशन यू.जी.सी. के द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है। सीड मनी ग्राण्ट का प्रावधान किया गया है इसके अन्तर्गत प्राध्यापकों को अनुसन्धान हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है एवं आगे भी की जाएगी।
3.	Quality Academic Research	गुणवत्ता युक्त संशोधन को बढावा मिलेगा।	2023 - 2028	विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका शोधज्योति केयर लिस्ट में शामिल हुई है। युनिवर्सिटी द्वारा 75 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इनका अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशकों एवं राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थाओं के साथ मिलकर प्रकाशन किया गया है। आगामी वर्षों में गुणवत्ता युक्त प्रकाशन एवं अध्यापकों द्वारा विविध केयर लिस्टेड जर्नल्स में शोधपत्र प्रकाशित करने का आयोजन है।
4.	Global – National – State level Ranking	रेंकिंग	2023 - 2028	नेशल लेवल के सन्दर्भ में संस्कृत मेन्युअल के आने पर उसमें प्रवृत्त होगें। स्टेट लेवल में हम भाग ग्रहण कर रहे है जिसमें 02 स्टार प्राप्त हुआ है। आगे हम 05 स्टार लाने की कोशिश करेगें।
5.	NAAC-NBA Accreditation	Accreditation	2023 - 2028	नैक के प्रथम आवर्त्तन में वर्ष 2021-26 में युनिवर्सिटी द्वारा A+ श्रेणी प्राप्त की है। आगामी पाँच साल के बाद अग्रिम आवर्त्तन में युनिवर्सिटी नैक मूल्याङ्कन में A++ श्रेणी प्राप्त करने का लक्ष्यांक रखती है।
6.	Digital Education	डिजिटल इण्डिया के अन्तर्गत डिजिटल एज्युकेशन के रूप में व्यापक छात्र वर्ग को शिक्षा से जोडना एवं शिक्षा को सरल एवं सुगम बनाना।	2024 - 2029	युनिवर्सिटी द्वारा कोविड के दर्मियान डिजिटल एजुकेशन के द्वारा छात्रों को शिक्षा प्रदान किया है। जिसमें माइक्रोसोफ्ट टीम्स, गूगल क्लास रूम, वेबैक्स, यूट्यूब के माध्यम से छात्रों से युनिवर्सिटी जुडी हुई है। आगामी वर्षों में आनलाईन / दूरस्थ शिक्षा द्वारा शास्त्री पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराने की योजना है। युनिवर्सिटी द्वारा इंस्टिट्यूशनल रिपोजिटरी बनाई गई है जिसके द्वारा पाठ्यक्रमों की सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। ILMS (Inflibnet Learning Management System) द्वारा विद्यार्थियों को विविध विषयों के वीडियों उपलब्ध कराये जाएगें। आधुनिक स्मार्ट बोर्ड के साथ डिजिटल क्लास रूम

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

				का निर्माण किया जाएगा। ऑनलाइन परीक्षा का भी प्रावधान किया है और आगे भी किया जाएगा।
7.	**Internship**	शिक्षा के प्रायोगिक पक्ष को बढावा देना।	2024 - 2029	बी॰ए॰बी॰एड॰, योग, कर्मकाण्ड पदविका पाठ्यक्रमों में इण्टर्नशिप की व्यवस्था एवं आगामी वर्षों में अन्य पाठ्यक्रमों में इसकी व्यवस्था की जाएगी।
8.	**Institutional Restructuring and consolidation**	विश्वविद्यालय परिसर को अद्यतन बनाना।	2023 - 2028	वाटर हार्वेस्टिंग, हरित परिसर, सोलार सिस्टम, विद्युत की बचत – LED बल्ब इत्यादि के प्रयोग से, वेस्ट मेनेजमेण्ट, वाटर मेनेजमेण्ट – व्यर्थ पानी को शुद्ध करके गार्डनिंग हेतु उपयोग करना इत्यादि व्यवस्था की गई है। अग्रिम समय में उन्हें अत्याधिक संशोधित / संवर्धित की जाएगी।
9.	**अन्ताराष्ट्रीय केन्द्र**	अन्ताराष्ट्रीयछात्र हमारे साथ जुडे हैं। भारतीय जीवनमूल्यों का ज्ञान, भारतीय संस्कति एवं संस्कृत का प्रचार हो रहा है।	2023 - 2028	श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा अन्ताराष्ट्रीय केन्द्र की स्थापना की गई है। जिसमें भारतीय परम्परा, भारतीय जीवन मूल्य, लोकाचार, पूजा पद्धति, संस्कार, प्राचीन चित्रकलाओं कामहत्त्व, इण्डोलॉजी, भारतीय संस्कृति, प्राचीन भारतीय इतिहास, वास्तुशास्त्र, पाण्डुलिपिविज्ञान, मन्दिर निर्माणशास्त्र, पौराणिक सन्दर्भों का आधुनिक परिप्रेक्ष्य मेंसमन्वयन आदि विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। इन विषयों में विदेशी छात्रों कोआकर्षित करने के लिए छोटे छोटे पाठ्यक्रम, शोध आदि सम्मिलित किए गए हैं। अन्ताराष्ट्रीय छात्रों को विश्वविद्यालय के परिसर में अध्ययन करने एवं सदाचार, नैतिकता आदि का नियमित प्रशिक्षण कराने हेतु सुविधा प्रदान की जाती है। अग्रिम समय में उन्हें अत्याधिक संशोधन / संवर्धित की जाएगी।
10.	**प्रगत संस्कृत संशोधन केन्द्र (Advanced Sanskrit Research Centre) की स्थापना करेंगे।**	संशोधन में गुणवत्ता, मौलिकता एवं सृजनात्मकता की वृद्धि होगी। नाट्य कलाओं का विकास एवं कला विज्ञान को प्रोत्साहन मिलेगा।	2024 - 2029	आधुनिक विश्वकी अपेक्षा के अनुसार श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय संस्कृतज्ञान में**प्रगत संस्कृत संशोधन केन्द्र (Advanced Sanskrit Research Centre)**का निर्माण किया जाएगा।इसमें निम्निलिखित विषय होंगे – 1. पाण्डुलिपि संरक्षण 2. अप्रकाशितपाण्डुलिपियों का प्रकाशन3. प्राचीन वैदिक विधियों में प्रयुक्त वस्तुओं की प्रदर्शिनी, उस पर संशोधन 4. कादम्बरी आदि में उल्लिखित विविध कलाओं के विषय में संशोधन काप्रोत्साहन5. जल, भूमि, वायु आदि पर्यावरण की सुरक्षा के निमित्त पारम्परिक उपायों कीखोज 6. संस्कृत में सृजनात्मक लेखन, अनुवाद, नवाचार, समीक्षण काप्रोत्साहन7. कला 8. साहित्य9. स्वरविज्ञान 10. भाषाविज्ञान 11. लिपिविज्ञान 12. प्राचीन नाट्यशास्त्र एवं रंगमंचीय कौशल13. गणित शास्त्र 14. आयुर्विज्ञान इत्यादि।
11.	**श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुणात्मक अनुसन्धान एवं नवाचार को प्राथमिकता के आधार पर महत्त्व**	संशोधन में गुणवत्ताकी वृद्धि होगी।	2023 - 2028	इस में उल्लिखित कला, साहित्य, गणित, स्वरविज्ञान आदि से संस्कृत का अत्यन्त गाम्भीर्य पूर्ण सम्बन्धरहने के कारण श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुणात्मक अनुसन्धान एवं नवाचार को प्राथमिकता के आधार पर महत्त्व देगा। साथ ही प्राचीन शास्त्रों में मौलिकअनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित किया जाएगा।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

	देगा। साथ ही प्राचीन शास्त्रों में मौलिक अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित किया जाएगा।			
12.	राष्ट्रीय अनुसन्धान फाउण्डेशन के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुणात्मक शोध को सक्षम बनायेगा।	जिससे योग्यता आधारित एवं पीयररिव्यू शोधनिधि की विश्वसनीय संस्कृति विकसित होगा।	2024 - 2029	इस में प्रस्तावित राष्ट्रीय अनुसन्धान फाउण्डेशन के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुणात्मक शोध को सक्षम बनायेगा। जो योग्यता आधारित एवं पीयर रिव्यू शोधनिधि की विश्वसनीय संस्कृति विकसित करेगा।
13.	शब्द निर्माण शाला की स्थापना करेंगे।	विविध भाषाओं में संस्कृत शब्दों का रूपान्तरण एवं शब्द निर्माण हेतु संस्कृत की भूमिका के अध्ययन की व्यवस्था का आरम्भ होगा।	2024 - 2029	शब्द निर्माण शाला की स्थापना की जाएगी। जिसमें लाखों संस्कृत शब्दों के साथ विविध भाषाओं में उनका रूपान्तरण काउल्लेख और वर्त्तमान काल में किसी भी भाषा में शब्द निर्माण हेतु संस्कृत की भूमिका के अध्ययन की व्यवस्था की जाएगी। नए शब्दों का भण्डार समय समय पर अपडेट किया जाएगा।
14.	संस्कृत भाषा के सम्भाषण को सिखाने के लिए निरन्तर अभ्यास कराया जाएगा	छात्रों में, समाजिकों में संस्कृत सम्भाषण कौशल का सम्पादन होगा।	2023 - 2028	संस्कृत सम्भाषण कौशल सम्पादन केलिए छात्रों के लिए, संस्थागत अध्यापकों के लिए, सामाजिक जनों के लिए संस्कृतभाषा के सम्भाषण को सिखाने के लिए निरन्तर अभ्यास कराया जाएगा।
15.	इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन का श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय स्थायी सदस्य बनेगा।	संस्कृत लेखन, अनुवाद एवं विवेचना की जाएगी।	2024 - 2029	इस में प्रस्तावित इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन का श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय स्थायी सदस्य बनेगा। संस्कृत अन्य भाषाओं की भी मूल भाषा होने केकारण आधुनिक संस्कृत लेखन, अनुवाद एवं विवेचना में इतर भाषाओं में प्रयोगों सेभी सहायता प्राप्त की जाएगी।
16.	पाठ्यक्रम यथायोग्य ऑनलाईन / आफलाईन / ODL माध्यम से अथवा / एवं उपाधि के रूप में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में चलाए जाएगें।	बहुविषयक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित होगा। विविध पाठ्यक्रमों का निर्माण करेंगे। अनेक छात्रों को पढने का लाभ मिलेगा। संस्कृत अर्थकरी विद्या होगी। आधुनिक विषयों के छात्र भी पढ सकेंगे।	2024 - 2029	इस के क्रियान्वयन हेतु निम्नवत् पाठ्यक्रम यथायोग्य ऑनलाईन / आफलाईन / ODL माध्यम से अथवा / एवं उपाधिके रूप में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय में चलाए जाएगें, यथा – 1. वैदिकगणितएवं आधुनिकगणित 2. संस्कृत नीतिशास्त्र एवं नैतिकविज्ञान3. योग एवं स्वास्थ्य 4. योग एवं सामाजिक संगति5. योग एवं भाईचारा 6. योग एवं व्यक्तित्व विकास7. योग एवं आत्मनिर्भरता 8. योग एवं पर्यावरण9. योग एवं सामाजिक सुरक्षा 10. योग एवं वैश्विक चिन्तन11. योग एवं नारीकल्याण 12. योग एवं बालविकास13. प्राचीन कृषिशास्त्र एवं आधुनिक कृषिविज्ञान 14. प्राचीन चिकित्साशास्त्रएवं आधुनिक चिकित्साविज्ञान15. संस्कृत व्याकरण एवं भाषाविज्ञान 16. संस्कृत एवं पत्रकारिता तथा संचारव्यवस्था17. संस्कृत अर्थशास्त्र एवं राजनीतिविज्ञान 18. संस्कृत एवंमनोविज्ञान19. सुभाषित एवं

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

				व्यक्तित्व विकास 20. स्मृति, धर्मशास्त्र एवं मीमांसाशास्त्र तथा आधुनिक विधिशास्त्र 21. संस्कृत और संगीत 22. कला, मूर्तिनिर्माणकला, आर्किटेक्चर आदि संस्कृतग्रन्थ एवं प्रबन्धनशास्त्र 23. संस्कृत ग्रन्थ एवं वाणिज्यशास्त्र 24. प्राचीन एवं आधुनिक दर्शन कीविभिन्न धाराओं का अध्ययन 25. संस्कृत एवं समय प्रबन्धन तथा स्ट्रेस मेनेजमेन्ट 26. संगणकीय स्किल मेंसंस्कृत का उपयोग 27. न्याय शास्त्र एवं प्रोग्रामिंग 28. अनुवाद के क्षेत्र में संस्कृत कीभूमिक 29. संस्कृत एवंपर्यटन तथा तीर्थाटन 30. संस्कृत एवं विविध कलाएँ 31. आयुर्विज्ञान के अध्ययन में संस्कृत 32. संस्कृत एवंप्राणीविज्ञान 33. संस्कृत एवं भौतिक एवं रसायन शास्त्र इत्यादि। मन्दिर प्रबन्धन को पर्यटनतथा तीर्थाटन से जोडकर लघु लघु पाठ्यक्रम की प्राक्कल्पना की जाएगी।विश्वविद्यालय में दो प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जाएगें – (1) ग्रन्थाधारितपाठ्यक्रम जैसे – रामायण, महाभारत, उपनिषद्, अष्टाङ्गहृदय आदि, (2) विद्याधारितपाठ्यक्रम जैसे – स्मृति, विधि, नीति आदि। विश्वविद्यालय में CBSE क्रेडिटसिस्टम लागू किया जाएगा। एवं ड्युवल कोर्स के रूप में भी छात्र संस्कृत पढसकेंगे। विश्वविद्यालय में शास्त्री कक्षा से ही शोध दृष्टि को प्रोत्साहितकरेंगे। इसमें पाण्डुलिपि विज्ञान, आयु एवं अवस्था के अनुरूप बालसाहित्य कानिर्माण किया जाएगा। मिशन मोड में संस्कृत को संस्कृत माध्यम से पढाने हेतुसंस्कृत केन्द्र बनाया जाएगा। इस प्रकार के पाठ्यक्रम के कारणछात्रों के लिए विद्या अर्थकरी हो पाएगी।विश्वविद्यालय के छात्र अनुवादक, इंटरप्रिटर, सिविल इंजनियरि के सन्दर्भ मेंवास्तुशास्त्र ज्ञाता, आर्किटेक्ट आदि बन सकेंगे।
17.	**संस्कृत पाण्डुलिपि संशोधन केन्द्र की स्थापना की जाएगी।**	संस्कृत की पाण्डुलिपियों का सङ्ग्रह, संरक्षण, सम्पादन, प्रकाशन इत्यादि सुचारू रूप से होगा।	2024 - 2029	विविधलिपियों में संस्कृत की पाण्डुलिपियों का सङ्ग्रह, संरक्षण, सम्पादन, प्रकाशन के निमित्त **संस्कृत पाण्डुलिपि संशोधन केन्द्र** की स्थापना की जाएगी। इस बिन्दु में लिखित सभी पक्षों परगम्भीरता एवं सूक्ष्मता के साथ संशोधन एवं प्रायोगिक पक्षों को रखा जाएगा। उसके साथ समान रूप से अभिलेखों को भी सम्मिलित किया जाएगा।
18.	**संस्कृत भाषा में कविता, उपन्यास आदि के साथ पत्रकारिता जैसे अन्य कार्य को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा।**	संस्कृत विद्वानों को प्रोत्साहन मिलेगा। नए ग्रन्थों की, कविताओं की रचना होगी।	2024 - 2029	इस प्रसङ्ग में संस्कृत भाषा में कविता, उपन्यास आदि के साथ पत्रकारिता जैसे अन्य कार्य को विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

विभागीयभावियोजनाः (क्रमशः)

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेःअनुसन्धानेश्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्यसाहित्यविभागस्ययोजनाः॥

आगामिषुत्रिषुवर्षेषुकरणीयानिकार्याणि –

- द्वौपाठ्यक्रमौक्रेडिटबेंकिमित्तंसज्जीकरिष्येते।
- तत्रएकःस्नातकस्तरीयःएकश्चअनुस्नातकस्तरीयःभविष्यति।
- द्वयोःअपिपाठ्यक्रमयोःविडिओ, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्ययनायग्रन्थावलिःचसज्जीकरिष्यते।
- अन्यैःसंस्कृतविश्वविद्यालयैःसहप्रतिप्रश्नपत्रंक्रेडिटसमानतायैपरामर्शःकरिष्यते।
- अन्यैःसंस्कृतविश्वविद्यालयैःसहअध्याप्यमानस्यपाठ्यक्रमस्यसाम्यायअपिचर्चाःकरिष्यन्ते।
- अस्मिन्सन्दर्भेविशिष्टायाःकार्यशालायाःआयोजनंकरिष्यते।

आगामिषुनवसुवर्षेषु

- त्रयःऑनलाईनशोर्टटर्मपाठ्यक्रमाःसंचालयिष्यन्ते।
- साहित्यशास्त्रस्यविभिन्नान्पक्षान्आश्रित्यत्रिसप्तःदिनात्मिकाःकार्यशालाःआयोजयिष्यन्ते।
- साहित्यशास्त्रस्यविभिन्नान्पक्षान्आश्रित्यत्रयाणांराष्ट्रियपरिसंवादानाम्आयोजनंकरिष्यते।
- साहित्यविहारयोजनायाःअङ्गतयासाहित्यप्रदर्शनीसज्जीकरिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य व्याकरणविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि –

- द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रेडिटबेंक्निमित्तं सज्जीकरिष्येते।
- तत्र एकः स्नातकस्तरीयः एकश्च अनुस्नातकस्तरीयः भविष्यति।
- द्वयोः अपि पाठ्यक्रमयोः विडिओ, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्ययनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रतिप्रश्नपत्रं क्रेडिटसमानतायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह अध्याप्यमानस्य पाठ्यक्रमस्य साम्याय अपि चर्चाः करिष्यन्ते।
- अस्मिन् सन्दर्भे विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।

आगामिषु नवसु वर्षेषु

- त्रयः ऑन लाईन शोर्ट टर्म पाठ्यक्रमाः संचालयिष्यन्ते।
- व्याकरणशास्त्रस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य त्रिस्रः ५ दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- व्याकरणशास्त्रस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य त्रयाणां राष्ट्रियपरिसंवादानाम् आयोजनं करिष्यते।
- व्याकरणविहारयोजनायाः अङ्गतया साहित्यप्रदर्शनी सज्जीकरिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य ज्योतिषविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि-

- द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रेडिटबेंक्निमित्तं सज्जीकरिष्येते।
- तत्र एकः स्नातकस्तरीयः एकश्च अनुस्नातकस्तरीयः भविष्यति।
- द्वयोः अपि पाठ्यक्रमयोः विडियो, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्यायनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रति प्रश्नपत्रं क्रेडितसमान्तायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह अध्यापमानस्य पाठ्यक्रमस्य साम्याय चर्चाः करिष्यन्ते।
- अस्मिन् सन्दर्भे विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।
- ज्योतिषविभागद्वारा 'गोलपरिभाषा इति ग्रन्थस्योपरि ई-कन्टेंट निर्माणम्' इति कार्यपरियोजनायाः (Project Work) निष्पादनं करिष्यते।

आगामिषु नवसु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि-

- त्रयः ऑनलाइन शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रमाः सञ्चालयिष्यन्ते।
- ज्योतिषशास्त्रस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य 5 दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- ज्योतिषशास्त्रस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य ज्योतिषशास्त्रस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य 5 दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- ज्योतिषविहारस्य निर्माणम्।
- नक्षत्रवाटिकायाः निर्माणम्।
- नवग्रहवाटिकायाः निर्माणम्।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

- विभागद्वारा वार्षिक-ज्योतिषशास्त्रीय-पञ्चाङ्गस्य प्रकाशनम्।

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य दर्शनविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि –

- द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रेडिटबेंक-निमित्तं सज्जीकरिष्येते।
- तत्र एकः स्नातकस्तरीयः एकश्च अनुस्नातकतकस्तरीयः भविष्यति।
- द्वयोः अपि पाठ्यक्रमयोः विडिओ, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्ययनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रतिप्रश्नपत्रं क्रेडिटसमानतायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह अध्याप्यमानस्य पाठ्यक्रमस्य साम्याय अपि चर्चाः करिष्यन्ते।
- अस्मिन् सन्दर्भे विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।

आगामिषु नवसु वर्षेषु

- अनिवार्यप्रश्नपत्रस्य अङ्गतया तर्कभाषा एवं च वेदान्तसारः इति अभ्यासक्रमौ उद्दिश्य कार्यशालाद्वयं आयोजयिष्यते।
- अनिवार्यपत्रे उपलक्ष्य लेखनसामग्र्याः निर्माणमपि करिष्यते।
- दर्शनेषु विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य त्रिंशः ५ दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- दर्शनस्य विभिन्नान् पक्षान् आश्रित्य त्रयाणां राष्ट्रियपरिसंवादानाम् आयोजनं करिष्यते।
- दर्शनशास्त्रविहारयोजनायाः अङ्गतया दर्शनविषयकसाहित्यप्रदर्शनी सज्जीकरिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य पुराणेतिहासविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि –

- द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रेडिटबेंक्निमित्तं सज्जीकरिष्येते।
- तत्र एकः स्नातकस्तरीयः एकश्च अनुस्न्तातकस्तरीयः भविष्यति।
- द्वयोः अपि पाठ्यक्रमयोः विडिओ, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्ययनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रतिप्रश्नपत्रं क्रेडिटसमानतायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह अध्याप्यमानस्य पाठ्यक्रमस्य साम्याय अपि चर्चाः करिष्यन्ते।
- अस्मिन् सन्दर्भे विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।
- डिप्लोमा- अभ्यासक्रमद्वयम् - १ 'स्मृतिशास्त्र और भारतीय विधि' २ मन्दिरव्यवस्थापनम् आयोजनं करिष्यते|
- पुराणकथामण्डपस्य आयोजनं करिष्यते।

आगामिषु नववर्षेषु

- त्रयः ऑन लाईन शोर्ट टर्म पाठ्यक्रमाः संचालयिष्यन्ते।
- पुराणेतिहासविषये विभिन्नान् ग्रन्थान् आश्रित्य त्रिस्रः ५ दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- पुराणेतिहसग्रन्थेषु विभिन्नान् विषयान् आश्रित्य त्रयाणां राष्ट्रियपरिसंवादानाम् आयोजनं करिष्यते।
- पुराणविहारयोजनायाः अङ्गतया पुराणप्रदर्शनी सज्जीकरिष्यते।
- विश्वविद्यालये पुराणविभागे धर्मशास्त्रविभागः भवेत् - तदर्थं आयोजनं करिष्यते।
- गुजरातसर्वकारेण 'विवेकानन्द चेर' पुराणविभागे भवेत्- तदर्थं आयोजनं करिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य शिक्षाशास्त्रीविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि –

- एषःपाठ्यक्रमःक्रेडिटबेंक्निमित्तंसज्जीकरिष्येते।
- तत्रस्नातकस्तरीयःभविष्यति।
- पाठ्यक्रमस्यविडिओ, लिखितसामग्री, अतिरिक्ताध्ययनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैःसंस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रतिप्रश्नपत्रं क्रेडिटसमानतायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैःसंस्कृतविश्वविद्यालयैःसहअध्याप्यमानस्यपाठ्यक्रमस्यसाम्यायअपिचर्चाःकरिष्यन्ते।
- विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।
- शिक्षाशास्त्री विविध विषयान् आश्रित्य संगोष्ठ्याः आयोजनं करिष्यते।

आगामिषु नवसु वर्षेषु

- भाषाप्रयोगशालायाःआयोजनंकरिष्यते।
- मनोविज्ञानप्रयोगशालायाःआयोजनंकरिष्यते।
- शैक्षणिकसंस्थायाःप्रवासःकरिष्यते।
- व्याकरणविहारयोजनायाःअङ्गतयासाहित्यप्रदर्शनीसज्जीकरिष्यते।
- क्रियात्मकसंशोधनविषयेविशिष्ट कार्यशालाः आयोजयिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner

॥राष्ट्रियशिक्षानीतेः अनुसन्धाने श्रीसोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वेदविभागस्य योजनाः॥

आगामिषु त्रिषु वर्षेषु करणीयानि कार्याणि -

- द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रेडिटबेंकिनिमित्तं सज्जीकरिष्येते।
- तत्र एकः स्नातकस्तरीयः एकश्च अनुस्नातकस्तरीयः भविष्यति।
- द्वयोः अपि पाठ्यक्रमयोः विडिओ, लिखितसामग्री, अभ्यासाः, अतिरिक्ताध्ययनाय ग्रन्थावलिः च सज्जीकरिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह प्रतिप्रश्नपत्रं क्रेडिटसमानतायै परामर्शः करिष्यते।
- अन्यैः संस्कृतविश्वविद्यालयैः सह अध्याप्यमानस्य पाठ्यक्रमस्य साम्याय अपि चर्चाः करिष्यन्ते।
- अस्मिन् सन्दर्भे विशिष्टायाः कार्यशालायाः आयोजनं करिष्यते।
- वैदिकसंशोधनमाध्यमेन वैदिकपर्यावरणचिन्तनं करिष्यते।
- शाखानुसारं प्रत्येकं वेदस्य विभिन्नभाष्यानुसारं बहुवैकल्पिकशब्दकोषनिर्माणं करिष्यते।
- वैदिकस्वाध्यायकेन्द्रस्य प्रारम्भं करिष्यते।

आगामिषु नवसु वर्षेषु

- त्रयः ऑनलाईन अल्पकालीनपाठ्यक्रमाः संचालयिष्यन्ते।
- वैदिकवाङ्गमयस्य विभिन्नान् विषयान् आश्रित्य त्रिंशः पञ्च वा दिनात्मिकाः कार्यशालाः आयोजयिष्यन्ते।
- वेदेषु विभिन्नान् विषयान् आश्रित्य त्रयाणां राष्ट्रियपरिसंवादानाम् आयोजनं करिष्यते।
- वेदविहारयोजनायाः अङ्गतया यज्ञपात्राणां प्रदर्शनं भवेत् - तदर्थं आयोजनं करिष्यते।

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY VERAVAL

REGISTRAR
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval

Scanned with CamScanner